

संख्या ओ० वि० एफ०डी०/66-87/26629.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० रेवेस्टोस प्रा० लि०, प्लॉट नं० 112, सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री अशोक कुमार, पुत्र श्री भगवत प्रसाद, मार्फत एटक आफिस, नजदीक एल० आई०सी० आफिस मार्किटिंग नं० 1, एन० आई० टी०, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या जो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्याय निर्णय हेतु एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री अशोक कुमार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

संख्या ओ० वि० एफ०डी०/गुड़गांव/124-87/26636.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० कैपको, दोलताबाद रोड़, गुड़गांव, के श्रमिक श्री रमायन, पुत्र खेलावन मार्फत श्री महावीर त्यागी, ओरगेनाईजर इटक, दिल्ली रोड़, गुड़गांव तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्याय निर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री रमायन की सेवा समाप्ति न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

संख्या ओ० वि० एफ०डी०/गुड़गांव/115-87/26643.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० विरेन्द्रा ग्राम, गांव सिकन्दरपुर, महरोली रोड़, गुड़गांव, के श्रमिक श्री मोती प्रसाद, हेलपर, पुत्र श्री बलेश्वर प्रसाद, मार्फत श्री श्रद्धानन्द, महासचिव, एटक, 214/4, मरला-गुड़गांव तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्याय निर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं;

क्या श्री मोती प्रसाद-हेलपर, की सेवा समाप्ति/छांटी न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

संख्या ओ० वि० एफ०डी०/गुड़गांव/122-87/26650.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० कैपको, दोलताबाद रोड़, गुड़गांव, के श्रमिक श्री गुलाब-I, पुत्र श्री सीता, मार्फत श्री महावीर त्यागी, ओरगेनाईजर, इटक, दिल्ली रोड़, गुड़गांव तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्याय निर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री गुलाब-I की सेवा समाप्ति न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है?